बिहार में शिक्षा विभाग के निर्देश पर स्कूल से कट गया लाखों बच्चों का नाम

चर्चा में क्यों?

26 अक्तूबर, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के.के. पाठक के निर्देश के बाद कई ज़िलों के स्कूलों से लाखों बच्चों के नाम काट दिये गए हैं।

प्रमुख बिंदु

- शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव के.के. पाठक के निर्देश के बाद स्कूल से लगातार 15 दिनों तक अनुपस्थित रहने वाले कक्षा एक से 12वीं तक के विद्यार्थियों के नाम भी काटे जा रहे हैं।
- अपर मुख्य सचिव के निर्देश पर स्कूलों के निरीक्षण की प्रक्रिया के तहत जुलाई से 24 अक्तूबर, 2023 तक पूरे राज्य से कक्षा एक से 12वीं तक के कुल 21 लाख 90 हज़ार 20 विद्यार्थियों के नामांकन रद्द कर दिये गए हैं।
- सर्वाधिक 1,43,140 नामांकन पूर्वी चंपारण से रद्द किये गए हैं, वहीं न्यूनतम 13,237 नामांकन शेखपुरा ज़िले में रद्द हुए हैं।
- स्कूलों से कुल नामांकन रद्द होने वालों विद्यार्थियों की संख्या में कक्षा एक से आठ तक के अधिक विद्यार्थी हैं। इसमें कक्षा एक से आठ तक में पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 18 लाख 28 हज़ार 859 तथा कक्षा नौ से 12वीं तक के तीन लाख 61 हज़ार 161 विद्यार्थी शामिल हैं।
- बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने इन विद्यार्थियों के आगामी मैट्रिक एवं इंटर की परीक्षा में शामिल होने पर रोक लगा दी है।
- हालांकि, जिन विद्यार्थियों का नामांकन रद्द किया गया है, उन्हें दोबारा नाम दर्ज कराने का अवसर देने की व्यवस्था है, इसके लिये अभिभावक को नियमित स्कूल आने का शपथ-पत्र जमा कराना होगा।
- यदि किसी बच्चे का नामांकन कम उपस्थिति के कारण रद्द कर दिया गया है तो अभिभावक नियमित स्कूल आने का शपथ-पत्र जमा कराकर बच्चे का दोबारा नामांकन सुनिश्चित करा सकते हैं, लेकिन बच्चे के नियमित स्कूल नहीं आने की स्थिति में दोबारा नामांकन रद्द हो सकता है।

नामांकन रद्द वाले टॉप 10 जिले

पूर्वी चंपारण	- 1,43,140
पश्चिम चंपारण	- 1,34,451
वैशाली	- 1,10,182
मुजफ्फरपुर	- 1,04,065
पटना	- 97,369
दरभंगा	- 91,358
मधुबनी	- 87,212
समस्तीपुर	- 86,370
सीतामढ़ी	- 84,064
कटिहार	- 75,780
भागलपुर	- 74,279

इन जिलों में कम नामांकन हुए रद्द

शेखपुरा	- 13,237
लखीसराय	- 14,238
अरवल	- 18,455
शिवहर	- 20,449
कैमूर	- 24,420

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/in-bihar,-names-of-lakhs-of-children-were-removed-from-schools-on-the-instructions-of-the-education-department